CLASS : 10th (Secondary) **Code No. 1142**

Series : Sec/Annual Exam.-2024

रोल नं० | | | | | | | | | | |

पूर्व मध्यमा सह माध्यमिक परीक्षा संस्कृत व्याकरण (परम्परागत संस्कृत विद्यापीठ)

Sub. Code : 1004/SVA

(Only for Fresh/Re-appear/Improvement/Additional Candidates)

*समय : **3** घण्टे]* *[पूर्णांक : **80***

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** तथा प्रश्न **6** हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*

- *परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।*
- *कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।***

निर्देश - सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।

खण्डः 'क'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

1. यथानिर्दिष्टेषु शुद्धम् उत्तरं चित्वा लिखत – $16 \times 1 = 16$

(i) 'अच्' विधायकं सूत्रं चिनुत –

(क) एरच् (ख) ऐरच्

(ग) एरचः (घ) ऐरचः

(ii) 'शप्' विधायकं सूत्रं चिनुत –

(क) कर्ता शप् (ख) कर्त्री शप्

(ग) कर्तरि शप् (घ) कर्तरि

(iii) 'क्तिन्' विधायकं सूत्रं चिनुत –

(क) त्रियां क्तिन् (ख) स्त्रिया क्तिन्

(ग) स्त्रियां (घ) स्त्रियां क्तिन्

(iv) भ्वादि गणे विकरणं किं भवति ?

(क) श्लुः (ख) शप्

(ग) गप् (घ) अप्

(v) 'झोऽन्तः' सूत्रस्य कार्यं चिनुत –

(क) अन्तादेशः (ख) आगमः

(ग) प्रत्ययः (घ) अन्तम्

(vi) 'द्वित्व' कः करोति ?

(क) नित्य वीप्सयोः (ख) एरच्

(ग) आतश्चोपसर्गे कः (घ) स्त्रियां क्तिन्

(vii) 'हन्' धातोः लोट्लकारे म० पु० एकवचने किं रूपम् ?

(क) हन (ख) घन

(ग) जहिः (घ) जहि

(viii) 'अस्' धातोः लङ्लकारे प्र० पु० एकवचने किं रूपम् ?

(क) आसीत् (ख) आसीत

(ग) अभवत् (घ) आसीः

(ix) 'चाप्' प्रत्ययस्य रूपं चिनुत –

(क) अजा (ख) बाला

(ग) बालिका (घ) सूर्या

(x) 'पंगोश्च' सूत्रस्य कार्यं किम् ?

(क) ऊत् (ख) ऊङ्

(ग) पंगूः (घ) ऊचुः

(xi) 'भवेत्' पदे किं वचनम् ?

(क) प्रथम (ख) मध्यम

(ग) एकवचनम् (घ) बहुवचनम्

(xii) 'दिवादि' गणे किं विकरणं भवति ?

(क) श्यन् (ख) शप्

(ग) श्लुः (घ) द्वित्व

(xiii) 'मार्ग्यः' पदे किं सूत्रं वृद्धिं करोति ?

(क) मजेवृद्धिः (ख) मृजेर्वृद्धिः

(ग) वृद्धिरेचिः (घ) वृद्धिरादैचः

(xiv) कृ + तृच् संयोगे किं रूपं भवति ?

(क) कर्तृ (ख) कर्त्री

(ग) कर्ता (घ) कर्तारः

(xv) 'युवतिः' पदे कः प्रत्ययः ?

(क) तिप् (ख) क्तिन्

(ग) वतिः (घ) ति

(xvi) 'अपश्यत्' पदे कः धातुः ?

(क) दृश् (पश्य्) (ख) पश्य्

(ग) देखना (घ) दर्श् (पश्य्)

खण्डः 'ख'

(निबन्धात्मकप्रश्नाः)

2. ***चतुर्णां*** ससूत्रं रूपसिद्धिं कुरुत – $4 \times 6 = 24$

(क) दीव्यति

(ख) अदन्ति

(ग) जुहोति

(घ) शेते

(ङ) भविष्यति

(च) बभूव

(छ) दिदेव

(ज) भवन्ति

3. (क) 'श्लुः' विधायकं सूत्रं लिखत। $1 \times 2 = 2$

(ख) ***षण्णां*** धातूनां यथानिर्दिष्टं रूपं लिखत – $6 \times 3 = 18$

(i) 'अस्' लृट् लकारस्य प्र० पु० रूपाणि लिखत।

(ii) 'भू' धातोः लृट् लकारस्य म० पु० रूपाणि लिखत।

(iii) 'हन्' धातोः लृट् लकारस्य उ० पु० रूपाणि लिखत।

(iv) 'दा' धातोः लट् लकारस्य म० पु० रूपाणि लिखत।

(v) 'दिव्' धातोः लोट् लकारस्य म० पु० रूपाणि लिखत।

(vi) 'शीङ्' धातोः लट् लकारस्य प्र० पु० रूपाणि लिखत।

(vii) 'दृश्' धातोः लङ् लकारस्य प्र० पु० रूपाणि लिखत।

(viii) 'सेव्' धातोः लङ् लकारस्य प्र० पु० रूपाणि लिखत।

खण्डः 'ग'

(अति लघूत्तरीय प्रश्नाः)

4. ***त्रयाणां*** सूत्राणां कार्यं लिखत – $3 \times 2 = 6$

(क) ऋदोरप्

(ख) अचोयत्

(ग) ऋहलोर्ण्यत्

(घ) ण्वुल् तृचौ

(ङ) एरच्

(च) नित्य वीप्सयोः

5. प्रकृतिं प्रत्ययं योजयित्वा रूपं लिखत – $4 \times 1 = 4$

(क) कृ + तृच्

(ख) शास् + क्यप्

(ग) कृ + तव्यत्

(घ) जन् + अर्द् + ल्यु

(ङ) मृज् + ण्यत्

(च) कृ + अनीयर्

खण्डः 'घ'

(अतिलघूत्तरीय प्रश्नाः)

6. ***पंचानामेव*** सूत्राणां कार्यम् उदाहरणञ्च लिखत – $5 \times 2 = 10$

(क) पुंयोगादाख्याम्

(ख) उगितश्च

(ग) ऊङुतः

(घ) पंगोश्च

(ङ) यूनस्तिः

(च) सूर्याद् देवतायां चाप् वाच्यः